

बिहार में जलद लागू होगी नयी प्रदूषण नीति

चर्चा में क्यों?

7 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में अगले करीब 40 साल में कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने हेतु राज्य में नई प्रदूषण नीति लागू की जाएगी, जिसका उद्देश्य पर्यावरण को बेहतर करना है।

प्रमुख बिंदु

- नई प्रदूषण नीति को अगले चार-पाँच महीनों में राज्य में लागू करने की संभावना है। भले ही यह आम आदमी की समझ में आसानी से आए या नहीं आए, लेकिन इसका मकसद आम और खास सहित राज्य, देश और दुनिया को फायदा पहुँचाना है। इसका फायदा मानव सहित पशु, पक्षियों और प्राकृतिक घटकों को भी होगा।
- इस नीति के लागू होने से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट जल-जीवन-हरियाली अभियान की सफलता में भी मदद मिलेगी।
- सूत्रों के अनुसार नई प्रदूषण नीति के लिये यूनाइटेड नेशंस इनवायरमेंट प्रोग्राम (यूएनइपी) सहित उसकी सहयोगी संस्थाओं के द्वारा एक स्टडी की जा रही है। इसकी रिपोर्ट अगले कुछ दिनों में आने की संभावना है। इस रिपोर्ट के आधार पर नई नीति का मसौदा तैयार कर राज्य मंत्रपरिषद की मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा।
- राज्य में लागू होने वाली इस नयी नीति में अगले 30-40 साल के लिये एक कार्ययोजना बनाई जाएगी। इस कार्ययोजना में प्रत्येक साल में किये जाने वाले काम तय होंगे। इस तरह हर साल काम करके अगले 30-40 साल में राज्य में कार्बन का उत्सर्जन शून्य करने के लक्ष्य पर काम किया जाएगा।
- कार्ययोजना में मुख्य रूप से शामिल किये जाने वाले विषय राज्य में बजिली उत्पादन या खरीद, उद्योग, परिवहन, आम लोगों द्वारा उपभोग की जाने वाली चीजें, खाना-पीना, खरीदारी जीवनशैली आदि में बदलाव होंगे।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव अरवि चौधरी ने बताया किलो कार्बन एमसिन को लेकर ब्लू प्रिंट तैयार होगा। इसमें प्रत्येक साल की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।
- नीति के तहत तय किया जाएगा कि राज्य में ऊर्जा की खरीद में कतिना रिन्यूएबल एनर्जी का हिस्सा होगा। पेट्रोल और डीजल गाड़ियों की जगह इलेक्ट्रिक और सीएनजी चालित वाहनों को किस तरह लाया जाएगा। इसके लिये प्रोत्साहित करने के लिये प्राइवेट पार्टी को किस तरह का इंसेंटिव दिया जाएगा।



